पत्रिका plus

jaipur. Tuesday 17/01/2023

spotlight plus **नेशनल स्टार्टअप डे** पर दो दिवसीय राजस्थान इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव

लाखों की नौकरी छोड़ खुद बने मालिक जुराब बेचकर किया 2.5 करोड़ का बिजनेस

यंगस्टर्स ने खुद चुनी अपनी राह

पत्रिका plus रिपोर्टर

जयपुर. आईटी कंपनी की लाखों रुपए की नौकरी छोड़कर जुराब बेचना। सुनने में अजीब लग सकता है लेकिन जयपुर के एक आईटी प्रोफेशनल ने ऑनलाइन तीन लाख से ज्यादा जुराब बेच दिए। इसी तरह एक अन्य युवा ने अपने स्टार्टअप में स्टूडेंट्स के लिए एक ऐसा एप तैयार किया। जिसके आज 70 हजार से ज्यादा क्लांट बन चुके हैं। नेशनल स्टार्टअप डे पर जयपुर में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में ऐसे ही कई युवाओं ने अपनी सफलता का सफर साझा किया।

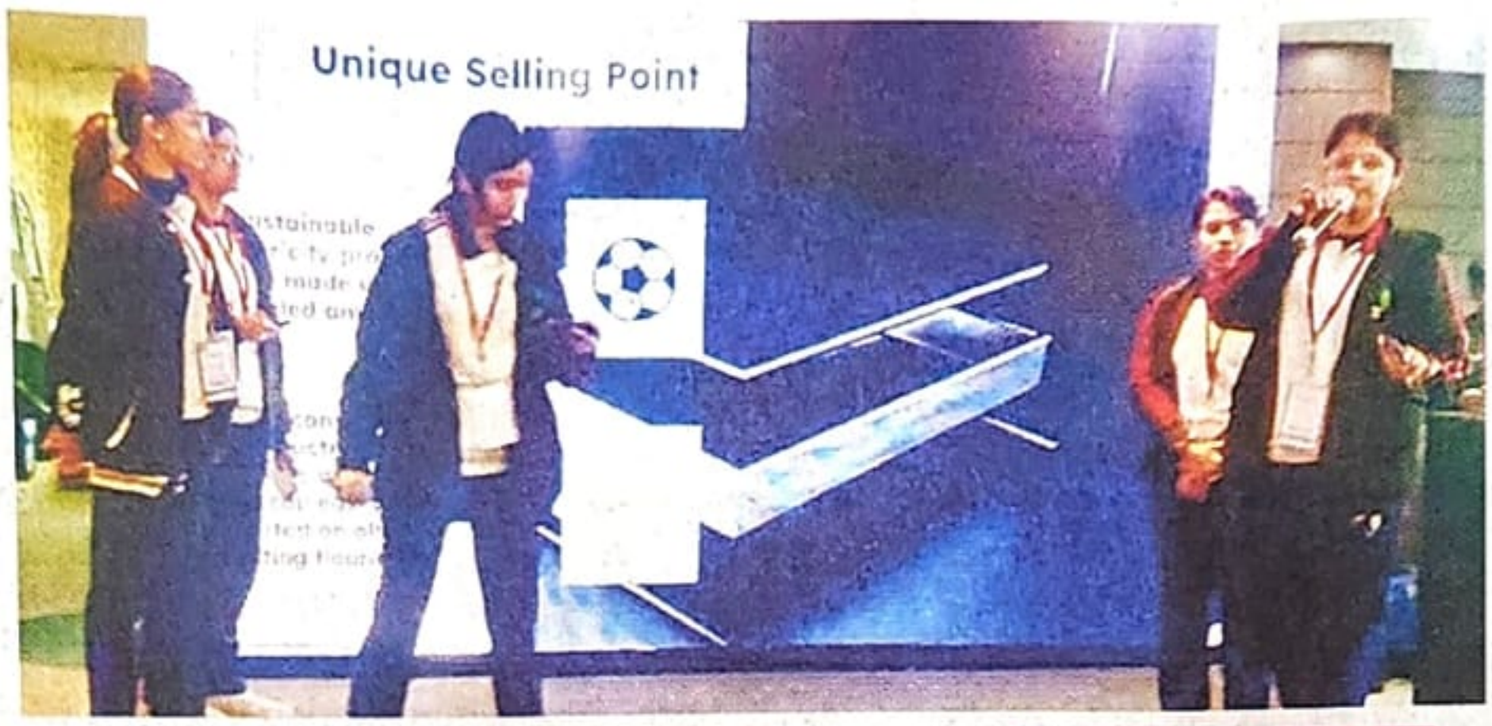

50 हजार से ज्यादा बेचे डॉग्स के मील

तेजविंदर सिंह का कहना है कि डॉग्स के लिए दो प्रकार के नेचुरल, वेजिटेरियन प्रोडक्ट बनाते है। जिसमें 37 प्रकार के विटामिन हैं जो डॉग्स को कई बीमारियों से बचाते है। इन्होंने बताया कि 2021 से यह स्टार्टअप शुरू किया, अब तक इंटरनेशनल लेवल पर 50 हजार से अधिक डॉग्स के मील बेच चुके हैं।

तीन लाख जुराब बेचे

कपिल गर्ग ने बताया कि 2018 में थाईलैंड से खुद के पहनने के लिए जुराब लाए। सोशल मीडिया के जरिए इनको बेचने की कवायद शुरू की। जब वे बिक गए तो चाइना, साउथ कोरिया से जुराब लाकर बेचने लगे। लेकिन कोविड़ में वो सप्लाई चेन टूट गई। फिर छह माह तक इस पर काम करके इंडिया में ही बनना शुरू कर दिया। यहां की क्वालिटी को लोगों ने ज्यादा पसंद किया। आईटी सेक्टर की आठ साल पुरानी जॉब 2020 में छोड़ दी। खुद के स्टार्टअप में छह तरह के कॉटन के आइटम बनाना शुरू किया। अब तक कपिल तीन लाख से अधिक जुराब बेच चुके है। इंडिया में 80 हजार से अधिक कस्टमर्स है। 2021-22 में करीब 2.5 करोड़ का रेवेन्यू अर्जित किया।

एक फ्रेम में कई चीजों की मार्केटिंग

अनिरुद्ध शर्मा ने बताया कि 2016 में मार्केटिंग सर्विस पर आधारितस्टार्टअप शुरू किया, जिसे कोविड में कई परेशानियों के कारण होल्ड करना पड़ा। 2021 में नया स्टार्टअप शुरू किया। जो मार्केटिंग डिजाइन बनाता है। यह एक फ्रेम में कई चीजों की मार्केटिंग कर सकता है। जिसे 2022 में राज. सरकार के आई स्टार्ट प्रोग्राम के तहत व नीति आयोग की ओर से फंडिंग भी मिली थी।

आईएएस तक पढ़ाई का एप

जयपुर के अजय विश्वकर्मा ने ऐसा ऐप डवलप किया है जिसमें कक्षा एक से लेकर यूपीएससी एग्जाम की बुक की पीडीएफ, हर टॉपिक के ऑडियो और टेस्ट सीरीज है। इन्होंने बताया कि कोविड़ के समय छोटे भाई को मोबाइल से पढ़ाई नहीं कराना चाहते थे, वहीं से यह एप बनाने का आइडिया आया। इसके साथ ही बच्चों के लिए ऑडियो डिवाइस भी बनाई है। जिसे सुनकर बच्चे बिना मोबाइल देखे भी पढ़ाई कर सकते हैं। इस एप में चार भाषाओं में 600 से अधिक बुक्स है। इससे नेत्रहीन स्टूडेंट्स को भी फायदा मिल रहा है।

'फंडिंग' आइडिया पर निर्भर

नेशनल स्टार्टअप डे के अवसर पर भामाशाह टेक्नो हब में दो दिवसीय राजस्थान इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव की शुरुआत हुई। आई-स्टार्ट व स्टार्टअप चौपाल की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में राजस्थान के उभरते हुए यंग एंटरप्रेन्योर्स ने इन्वेस्टर्स के समक्ष अपने बिजनेस आइडियाज प्रस्तुत किए। 'स्टार्टअप इकोसिस्टम पर फायर साइड चैट' सेशन में एम स्ट्रेटजी ग्लोबल के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन मंदार जोशी के साथ स्टार्टअप चौपाल के फाउंडर सुमित श्रीवास्तव ने चर्चा की। जिसमें स्टार्टअप्स की समस्याओं, फंडिंग, पिचिंग जैसे विषयों पर चर्चा हुई। सुमित श्रीवास्तव ने कहा कि किसी भी प्रकार की फंडिंग आपके आइडिया पर निर्भर होती है।

16 स्कूलों की 410 प्रविष्टियां

टाई राजस्थान के संयोजन में 'स्टार्टअप पिच' के लिए 16 स्कूलों से 410 प्रविष्टियां मिली। इनमें 26 टीमों को स्टार्टअप प्रोजेक्ट करने का अवसर मिला। ऑरेंथ, ताप्पी और स्कूल बैंकिंग एसोसिएशन स्टार्ट अप आईडिया को टॉप थ्री मे स्थान दिया। कार्यक्रम में अजय डाटा, मनुज गोयल और अमित पुरोहित ने प्रोजेक्ट्स को जज किया। टाई इंडिया एंजिल्स के चेयरपर्सन महावीर शर्मा ने पुरस्कार दिए। इसका कोर्डिनेशन चेयरपर्सन डॉ शीनू झंवर ने किया।